हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
सामान्य प्रशासन शाखा

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद की वर्ष, 2012 की तृतीय बैठक की कार्यवाही जो दिनांक 20 अप्रैल, 2012 को पूर्वान्ह 11–00 बजे आचार्य ए0डी0एन0 वाजपेयी, कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई । बैठक में निम्नलिखित उपस्थित हुए :–

1– डॉ0 दिनकर बुराठोकी
2– प्रो0 ओ0पी0 चौहान
3– प्रो0 श्रीराम शर्मा
4– डॉ0(श्रीमती) उमा वर्मा
5– प्रो0 सुरेश कुमार
6– चौ0 बरयाम सिंह बैन्स
7– डॉ0 धनी राम शर्मा
8– श्री एन0एस0 बिष्ट
9– श्री सी0पी0 वर्मा –कुलसचिव
सदस्य–सचिव

<u>मद संख्या:1</u> : कुलपति महोदय का वक्तव्य ।

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में वर्ष 2012 की तीसरी नियमित बैठक में आप सभी सम्माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूं ।

मैं इस बैठक में नवनियुक्त उच्च शिक्षा निदेश डॉ0 दिनकर बुराठोकी का स्वागत करता हूं और आशा करता हूं कि इनके शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुभव से इस परिषद को महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सहयोग मिलेगा ।

इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा निम्नलिखित संगोष्ठियां, कार्यशालाएं आयोजित की गईं :–

दिनांक 30 मार्च, 2012 को **भूगोल विभाग** द्वारा इसरो के राष्ट्रीय रिमोट सैंसिंग केन्द्र के सहयोग से संयुक्त रूप से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया

गया जिसमें मौसम से सम्बन्धित जानकारी की नई तकनीकों पर चर्चा हुई ।

दिनांक 31 मार्च से 2 अप्रैल, 2012 तक **भौतिकी विभाग** में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी '**मेटेरियल साईंस में कम्प्यूटेशनल तकनीकी और प्रयोगात्मक'** विषय पर आयोजित की गई ।

दिनांक 3 अप्रैल, 2012 को विश्वविद्यालय के **आस्ट्रेलियन और न्यूजीलैंड अध्ययन केन्द्र** के तत्वाधान में **साहित्य और इतिहास का आस्ट्रेलिया और भारत स्थिति** विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई ।

समाजशासत्र विभाग द्वारा दिनांक 10 अप्रैल, 2012 को स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि तथा समाजशास्त्रियों के साथ एक दिवसीय विचार मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें समाज की विषम कुरीतियों और समस्याओं से निपटने के लिए विस्तृत चर्चा की गई ।

यू0जी0सी0 अकादमिक स्टाफ कॉलेज में दिनांक 5 अप्रैल, 2012 को 105वें उन्मुखी कार्यक्रम के शुभारम्भ पर विशेष व्याख्यान दिया ।

समय–समय पर छात्रों से जीवंत सम्पर्क हेतु व्याख्यानों की कड़ी में विभिन्न कक्षाओं में विशेष व्याख्यान दिए गए जिसमें दिनांक 10 अप्रैल, 2012 को **इतिहास विभाग** में आधुनिक विश्व में इतिहास के महत्व पर विशेष व्याख्यान दिया ।

दिनांक 11 अप्रैल, 2012 को अंग्रेजी विभाग में छात्रों को अंग्रेजी साहित्य पर विशेष व्याख्यान दिया ।

दिनांक 17 अप्रैल, 2012 को **योग विभाग** में **आधुनिक युग में योग की प्रासंगिकता** विषय पर विशेष व्याख्यान दिया तथा एक सप्ताह तक चलने वाले एक्यूप्रैशर शिविर का उदघाटन किया ।

मैं परिषद को अवगत करवाना चाहता हूं कि विश्वविद्यालय की संस्कृत से सम्बन्धित ओ.टी./एम.आई.एल. की परीक्षाएं 16 अप्रैल से प्रारंभ हो चुकी हैं और प्रदेश के सभी केन्द्रों में यह परीक्षाएं शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही हैं ।

मैं परिषद के ध्यान में यह भी लाना चाहता हूं कि विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षाएं जो कि नवम्बर–दिसम्बर, 2011 में हुईं थीं, के परीक्षा परिणाम घोषित किए जा चुके हैं ।

दिनांक 18 अप्रैल, 2012 को आयोजित की गई शैक्षणिक परिषद की बैठक में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में 12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए प्रारूप भेजना अनुमोदित कर लिया गया है जिसमें 11वीं पंचवर्षीय योजना के मुकाबले तीन गुणा और पॉच गुणा धन राशि की योजनाएं बनाई गई हैं ।

मैं कुलसचिव से निवेदन करूंगा कि आज के लिए प्रस्तावित कार्यसूची को परिषद के सम्मुख चर्चा के लिए प्रस्तुत करें ।

मद संख्या :2 : कार्यकारिणी परिषद की पिछली बैठक दिनांक 29–3–2012 में लिए गए निर्णयों का पुष्टिकरण ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने पिछली बैठक दिनांक 29–3–2012 में लिए गए निर्णयों को निम्नलिखित टिप्पणी के साथ अनुमोदित किया :–

(मद संख्या:8): कार्यकारिणी परिषद ने श्री राहुल शर्मा के नाम के साथ श्रीमती इवा मल्हौत्रा का भी धन्यवाद किया । परिषद ने यह भी निर्णय लिया कि श्री राहुल शर्मा, श्रीमती इवा मल्हौत्रा तथा श्रीमती राज कुमारी मल्हौत्रा को विश्वविद्यालय की ओर से प्रशस्ति–पत्र प्रदान किए जाएं ।

(मद संख्या:18): कार्यकारिणी परिषद ने डॉ0 पुरूषोतम भारद्वाज को नियुक्ति की तिथि से वित्तीय लाभ देने के मामले का परीक्षण करने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की समिति गठित की :–

1– डॉ0 धनी राम शर्मा
2– प्रो0 ओ0पी0 चौहान
3– श्री एन0एस0 बिष्ट
4– कुलसचिव

(अन्य मद–1): कार्यकारिणी परिषद ने जनवरी, 1990 से 2001 तक स्नातकोत्तर उपाधि पास कर चुके विद्यार्थियों को इम्प्रूवमैंन्ट के लिए विशेष अवसर प्रदान करने हेतु विस्तार से विचार–विमर्श के पश्चात यह निर्णय लिया गया कि परीक्षा नियन्त्रक उक्त मामले का परीक्षण कर प्रस्ताव परिषद के सम्मुख रखेंगे ताकि नवम्बर, 2012 से नवम्बर, 2013 की समय अवधि के भीतर इन विद्यार्थियों को दो विशेष अवसर प्रदान किए जा सकें । फिर भी यदि किन्हीं विद्यार्थियों ने परीक्षा फार्म व शुल्क जमां करवा दिये हैं तो इन्हें अगले समैस्टर में समायोजित किया जाए ।

मद संख्या :3 : कार्यकारिणी परिषद की बैठक दिनांक 29–3–2012 में लिए गए निर्णयों पर की गई कार्यवाही का विवरण ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने दिनांक 29–3–2012 को हुई बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई कार्यवाही को अनुमोदित किया ।

मद संख्याः 4 : कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा–12 –सी (7) के अन्तर्गत लिए गए निर्णयों से अवगत करवाना ।

......

उपरोक्त शक्ति के अन्तर्गत कुलपति महोदय ने कोई कार्यवाही नहीं की है ।

मद संख्या : 5 : कार्यकारिणी परिषद के माननीय सदस्यों से यदि कोई मद प्राप्त हुई है ।

......

कार्यकारिणी परिषद के माननीय सदस्यों से निर्धारित समय के भीतर कोई मद प्राप्त नहीं हुई थी ।

मद संख्या : 6: कार्यकारिणी परिषद के समक्ष श्री करण सिंह कंवर, विधि द्वितीय सत्र, इंडियन इन्स्टीच्यूट ऑफ घणाहटी के द्वितीय सत्र के छात्र का हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के विधि विभाग में द्वितीय सत्र के लिए प्रवास (Migration) हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत है ।

......

कार्यकारिणी परिषद ने प्रवास के मामले पर चर्चा के उपरान्त यह निर्णय लिया कि क्योंकि एल0एल0बी0 एक पूर्णकालिक कोर्स है और विश्वविद्यालय में एल0एल0 बी0 में दाखिला प्रवेश परीक्षा और शैक्षणिक योग्यता के आधार पर होता है । इसलिए श्री करण सिंह कंवर का प्रवास हेतु प्रार्थना–पत्र विश्वविद्यालय के निर्धारित नियमों के बिरूद्ध हैं । अतः अभ्यार्थी को इस बारे में सूचित कर दिया जाए ।

मद संख्या :7: विश्वविद्यालय की लम्बित देनदारियों हेतु धन की व्यवस्था बारे ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने विश्वविद्यालय की लम्बित देनदारियों पर विस्तार से चर्चा की तथा सभी सम्माननीय सदस्यों ने इस मामले पर अपने–अपने विचार व्यक्त किए । सभी सम्माननीय सदस्यों का यह मत था कि 1–1–2006 से संशोधित वेतनमान की वकाया राशि जो प्रदेश सरकार के सभी कर्मचारियों को जारी की जा चुकी है उसी तर्ज पर विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं गैर–शिक्षक कर्मचारियों को भी इस देय बकाया राशि का भुगतान किया जाना है जिसके लिए विश्वविद्यालय के पास पर्याप्त धन राशि उपलब्ध नहीं है । इस पर चर्चा को प्रारम्भ करते हुए माननीय सदस्य चौ0 बरयाम सिंह बैन्स ने जोर देकर कहा कि विगत वर्ष में लिए गये अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र (ICDEOL) से लिए गये ऋण मु0 11–00 करोड़ रूपये की राशि का समायोजन अभी तक नहीं हो पाया है तथा आज की परिस्थिति में एक बार पुनः अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र से अगर ऋण लिया जाता है तो यह न केवल विश्वविद्यालय (ICDEOL) की पूंजी पर अर्जित होने वाले व्याज की हानि के रूप में परिवर्तित होगा अपितु न तो नियमों के अनुसार होगा और

न ही तर्कसंगत प्रतीत होता है जिसका कार्यकारिणी परिषद के सभी सम्माननीय सदस्यों डॉ0 दिनकर बुराठोकी, प्रो0 ओ0पी0 चौहान, प्रो0 श्रीराम शर्मा, प्रो0 सुरेश कुमार, चौ0 बरयाम सिंह बैन्स, डॉ0 धनी राम शर्मा, श्री एन0एस0 बिष्ट तथा डॉ0(श्रीमती) उमा वर्मा ने समर्थन किया । अतः परिषद ने निर्णय लिया कि इस बकाया राशि का भुगतान करने के लिए ऋण न लेकर इसके लिए प्रदेश सरकार से एक मुश्त अतिरिक्त अनुदान देने के लिए अनुरोध किया जाए । परिषद ने इस मामले पर प्रथम दृष्टया में पूर्ण विवरण तैयार कर प्रधान सचिव (वित्त) से मिलकर बातचीत करने के लिए निम्नलिखित तीन सदस्यों की समिति का गठन किया ताकि तत्पश्चात माननीय मुख्यमन्त्री महोदय जी से मिलकर इस समस्या का समाधान हो सके :

1– शिक्षा निदेशक

2– कुलसचिव

3– वित्त अधिकारी

मद संख्याः 8: विभिन्न फैलोशिप, पुरस्कारों एवं पीठों के गठन हेतु कार्यकारिणी परिषद के समक्ष विश्वविद्यालय के अध्यादेशों में संशोधन/समायोजन हेतु प्रस्ताव ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने अध्यादेश में संशोधन को **संलग्नक** के अनुरूप अनुमोदित कर दिया ।

मद संख्या : 9: कार्यकारिणी परिषद के समक्ष मार्च 29–3–2012 के बाद घोषित परिणामों का विवरण ।

......

नोट कर अनुमोदित किया ।

मद संख्याः10 : To consider and approve the 12th Five Year Plan proposals to be submitted to the University Grants Commission(UGC) duly approved by the Working Group of the University Academic Council and Finance Committee.

.....

कार्यकारिणी परिषद ने विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किये गये 12वीं पंच–वर्षीय योजना के 'सामान्य विकास अनुदान प्रस्ताव' जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपने पत्र संख्याः एफ.1–1/2012 (Cm.) दिनांक 5 जनवरी, 2012 द्वारा निर्धारित प्रपत्रों पर आमन्त्रित किये गये हैं और जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रेषित किये जाने हैं, उन पर **संलग्नक** के अनुरूप अपनी स्वीकृति प्रदान की । इन प्रस्तावों पर शैक्षणिक परिषद ने मद संख्या–1 दिनांक 18–4–2012 एवं वित्त समिति ने मद संख्या–1 दिनांक 18–4–2012 ने अनुमोदन एवं संस्तुति पहले ही प्रदान कर दी है ।

कार्यकारिणी परिषद ने 12वीं पंच–वर्षीय योजना के **'सामान्य विकास अनुदान प्रस्ताव'** को तैयार करने के लिए डॉ0 पी0के0 आहलूवालिया, अधिष्ठाता, योजना, श्री वी0के0 वोहरा, योजना एवं विकास अधिकारी तथा उनके स्टाफ की प्रशंसा की और जिस बारे प्रशस्ति–पत्र भी जारी किया जाये ।

मद संख्याः11: शैक्षणिक परिषद की विशेष बैठक दिनांक 18–4–2012 द्वारा लिए गए निर्णय/सिफारिशें को कार्यकारिणी परिषद में प्रस्तुत करने के लिए परिनियम 12(4) हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के प्रथम परिनियम के अधीन अनुमोदनार्थ हेतु प्रस्तुत है ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने शैक्षणिक परिषद की दिनांक 18–4–2012 को हुई बैठक में लिये गए निर्णयों/सिफारिशों को **संलग्नक** के अनुरूप अनुमोदित किया । (मद संख्या–1 का संलग्नक उपरोक्त मद संख्या–10 के अंतर्गत देखा जाए)

मद संख्याः12: To place before the Executive council the recommendations made by the Finance Committee in its emergent meeting held by circulation on 18.04.2012.

.....

कार्यकारिणी परिषद ने वित्त समिति की दिनांक 18–4–2012 को हुई बैठक में लिये गए सिफारिशों को **संलग्नक** के अनुरूप अनुमोदित किया । (मद संख्या–1 का

संलग्नक उपरोक्त मद संख्या–10 के अंतर्गत देखा जाए) ।

<u>मद संख्याः13ः</u> हिमाचल प्रदेश संयुक्त पूर्व चिकित्सा प्रवेश परीक्षा–2012 (एच.पीत्र–सी.पी.एम.टी.–2012) की तिथि में किए गए परिवर्तन अर्थात 27–5–2012 के स्थान पर 25–5–2012 के अनुमोदनार्थ तथा आवेदन–पत्रों में लगाए जाने वाले फोटो में अंकित तिथि 1 जनवरी, 2012 व इसक उपरान्त की तिथि के आवेदन–पत्रों को प्रवेश परीक्षा शाखा द्वारा स्वीकार करने हेतु कार्यकारिणी परिषद के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने हिमाचल प्रदेश संयुक्त पूर्व चिकित्सा प्रवेश परीक्षा–2012 (एच.पीत्र–सी.पी.एम.टी.–2012) की तिथि 27–05–2012 के स्थान पर 25–05–2012 तथा आवेदन–पत्रों में लगाए जाने वाले फोटो में अंकित तिथि 1 जनवरी, 2012 अंकित करने को अपनी स्वीकृति प्रदान की ।

अन्य मदें :–

विश्वविद्यालय के विभिन्न संगठनों ने कार्यकारिणी परिषद के सम्माननीय सदस्यों को ज्ञापन सौंपे, जिन पर परिषद ने विचार–विमर्श करने के पश्चात यह निर्णय लिया कि इन संगठनों की उचित मॉगों का परीक्षण कर सम्बन्धित द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जाए ।

माननीय सदस्य चौ0 बरयाम सिंह बैन्स ने गैर–शिक्षक कर्मचारी संघ द्वारा दिए गए ज्ञापन में मॉगो को परिषद के समक्ष एक–एक कर प्रस्तुत किया । तथा कार्यालय में आने बाली मुश्किलों को विस्तार से रखा, जिस पर माननीय कुलपति महोदय ने यह आश्वासन दिया कि उचित मॉगों पर शीघ्रातिशीघ्र कार्यवाही कर इन्हें हल करने का प्रयास किया जाएगा ।

माननीय सदस्य डॉ0 ओ0पी0 चौहान ने कहा कि अभ्यार्थियों द्वारा परीक्षा फॉर्म पर लगाया जाने बाली फोटों अभ्यार्थी द्वारा स्वयं–सत्यापित हों । जिस पर परिषद ने निर्णय लिया इस मामले का परीक्षण कर इस पर उचित कार्यवाही की जाए ।

बैठक पीठ को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुई ।

(सी0पी0 वर्मा)
कुलसचिव
सदस्य–सचिव

पुष्टिकरण
हस्ता0 / –
(आचार्य ए0डी0एन0 बाजपेयी)
कुलपति / सभापति